दावोस में बिछा यमुना सिटी के लिए रेड कारपेट, कंपनियां दिखीं इच्छुक

एआई से लेकर नवीनीकरण ऊर्जा, ईवी और मेडिकल डिवाइस जैसे क्षेत्र में निवेश की उम्मीदें

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। स्विट्जरलैंड के दावोस में यमुना सिटी के लिए रेड कारपेट बिछा है। दुनिया भर की दिग्गज कंपनियों को यहां आने का न्यौता खुद यूपी सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल दे रहा है। दिल्ली से नजदीकी और निकट भविष्य में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने से निवेशक भी यहां संभावनाएं तलाश रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि एआई से लेकर नवीनीकरण ऊर्जा, ईवी और मेडिकल डिवाइस निर्माण जैसे क्षेत्र में वैश्विक कंपनियां यहां आना चाहती हैं।

दावोस में 19 से 23 जनवरी तक रहे वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ-2026) के 56वीं वार्षिक बैठक में यूपी सरकार निवेश के लिए मजबूती से दावेदारी रखी है। फोरम में निवेश के लिए यूपी करीब 45,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य लेकर गया है। इसका अधिकांश भाग यमुना सिटी में आने की संभावना है।

यीडा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की मौजूदगी के अलावा दिल्ली की नजदीकी और जमीनों की उपलब्धता निवेशकों के लिए बड़ा आकर्षण बन रहा है। जल्द ही लखनऊ में इसके लिए शासन यमुना सिटी के अधिकारियों के साथ बैठक कर सकता है। यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि अगर जमीन की उपलब्धता देखें तो सबसे बेहतर विकल्प कंपनियों के लिए यमुना सिटी है।

एक्सप्रेसवे से सटी इस औद्योगिक सिटी में हर जरूरी सुविधा मौजूद हैं। यहां ऐसा ईकोसिस्टम हम विकसित कर रहे हैं, जिससे पूरी दुनिया के निवेशकों को यहां काम करने में सुगमता रहे। यही वजह है कि दुनिया की बड़ी कंपनियों ने यहां एआई आधारित डाटा सेंटर बनाने पर सहमति दी है। इस कंपनी को नए बनने जा रहे सेमीकंडक्टर पार्क के पास ही जमीन दी जा सकती है। यह जमीन पहले टार्क कंपनी के लिए आरक्षित रखी गई थी, जिसे सेमीकंडक्टर प्लांट यहां लगाना था। फिल्म सिटी के पास भी बड़ी जमीन उपलब्ध है जो कि दुनिया की बड़ी कंपनियों के लिए आवंटित करने का इच्छुक प्राधिकरण है।

वित्तमंत्री खुद पहुंचे दावोस

यूपी सरकार के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना खुद इस बैठक में यूपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए पहुंचे हैं। अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार उनके साथ गए हैं, ताकि कंपनियों को यूपी में तेजी से होते औद्योगिक के बारे में बताया जा सके। यहां मौजूद कंपनियों से बात भी हुई हैं। यही वजह है कि लक्ष्य के काफी करीब अनुबंध करने में यूपी सफल रहा।

ईवी और सौर ऊर्जा पर भी कंपनियां इच्छुक : दावोस में हुई बैठकों में ईवी निर्माण के अलावा सौर ऊर्जा पैनल और इसके लिए जरूरी उपकरण बनाने के प्लांट लगाने की भी इच्छुक कई कंपनियां हैं। जहां यूपी के प्रतिनिधिमंडल से इन कंपनियों के प्रमुख पदों पर बैठे अधिकारियों ने खुद बात की है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए हाइपरमार्ट और फूड प्रोसेसिंग में निवेश के लिए भी लूलू समूह जैसी बड़ी कंपनी दावोस में मिली हैं।

गामा रेडिएशन सेंटर की स्थापना के लिए एमओयू

यीडा को तकनीकी सहयोग देगी ब्रिट, मेडिकल डिवाइस को सुरक्षित बनाने के लिए जरूरी लैब

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हुए गामा रेडिएशन सेंटर बनाया जाना है। इस लैब की जरूरत मेडिकल डिवाइस को जैविक रूप से सुरक्षित बनाए जाने के लिए होती है। यमुना प्राधिकरण ने परमाणु ऊर्जा विभाग की सहयोगी संस्था बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटोप टेक्नोलॉजी (ब्रिट) के साथ इसके लिए एमओयू साइन किया है।

सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि ब्रिट के साथ एमओयू होने से अब गामा रेडिएशन सेंटर पर काम शुरू हो सकेगा। ब्रिट के सहयोग से उच्च तकनीक और सुरक्षा मानकों को यहां पूरा किया जा सकेगा। इस सेंटर के विकास ब्रिट की निगरानी में होगा। वहीं ब्रिट की टीम नियमित अंतराल पर लैब बनने के बाद भी नियमित निरीक्षण करेगी। गामा रेडिएशन सेंटर मेडिकल उपकरणों के परीक्षण, स्टरलाइजेशन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए अहम भूमिका निभाएगा। यह सेंटर न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि भविष्य में मेडिकल डिवाइस उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में भी मददगार साबित होगा।

अधिकारियों का कहना है कि इस लैब के बनने के बाद मेडिकल डिवाइस पार्क में निर्माण करने वाली कंपनियों को विदेशों की लैब पर निर्भर नहीं रहना होगा। ब्रिट इस सेंटर की लागत, संचालन मॉडल पर भी काम करेगी। इससे लैब को दीर्घकालिक रूप से मजबूत और टिकाऊ बनाया जा सकेगा। वहीं, मेडिकल डिवाइस पार्क को प्रदेश में स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास का एक बड़ा केंद्र बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।